Dharmraj Kar Siddh Kaaj Dharmraj Ki Aarti Lyrics in Englsih and HIndi

Dharmraj Kar Siddh Kaaj Dharmraj Ki Aarti Lyrics in Hindi

धर्मराज कर सिद्ध काज,
प्रभु मैं शरणागत हूँ तेरी ।
पड़ी नाव मझदार भंवर में,
पार करो, न करो देरी ॥
॥ धर्मराज कर सिद्ध काज.. ॥

धर्मलोक के तुम स्वामी,
श्री यमराज कहलाते हो ।
जों जों प्राणी कर्म करत हैं,
तुम सब लिखते जाते हो ॥

अंत समय में सब ही को,
तुम दूत भेज बुलाते हो ।
पाप पुण्य का सारा लेखा,
उनको बांच सुनते हो ॥

भुगताते हो प्राणिन को तुम,
लख चौरासी की फेरी ॥
॥ धर्मराज कर सिद्ध काज.. ॥

चित्रगुप्त हैं लेखक तुम्हारे,
फुर्ती से लिखने वाले ।
अलग अगल से सब जीवों का,
लेखा जोखा लेने वाले ॥

पापी जन को पकड़ बुलाते,
नरको में ढाने वाले ।
बुरे काम करने वालो को,
खूब सजा देने वाले ॥

कोई नही बच पाता न,
याय निति ऐसी तेरी ॥
॥ धर्मराज कर सिद्ध काज.. ॥

दूत भयंकर तेरे स्वामी,
बड़े बड़े डर जाते हैं ।
पापी जन तो जिन्हें देखते ही,
भय से थर्राते हैं ॥

बांध गले में रस्सी वे,
पापी जन को ले जाते हैं ।
चाबुक मार लाते,
जरा रहम नहीं मन में लाते हैं ॥

नरक कुंड भुगताते उनको,
नहीं मिलती जिसमें सेरी ॥
॥ धर्मराज कर सिद्ध काज..॥

धर्मी जन को धर्मराज,
तुम खुद ही लेने आते हो ।
सादर ले जाकर उनको तुम,
स्वर्ग धाम पहुचाते हो ।

जों जन पाप कपट से डरकर,
तेरी भक्ति करते हैं ।
नर्क यातना कभी ना करते,
भवसागर तरते हैं ॥

कपिल (दिल) मोहन पर कृपा करिये,
जपता हूँ तेरी माला ॥
॥ धर्मराज कर सिद्ध काज..॥

Dharmraj Kar Siddh Kaaj Dharmraj Ki Aarti Lyrics in English

Dharamraj Kar Siddh Kaaj,
Prabhu main sharanagat hoon teri.
Padi naav majhdaar bhanwar mein,
Paar karo, na karo deri.
 Dharamraj Kar Siddh Kaaj..

Dharmlok ke tum swami,
Shri Yamraj kehlaate ho.
Jo jo prani karm karte hain,
Tum sab likhte jaate ho.

Ant samay mein sabhi ko,
Tum doot bhej bulaate ho.
Paap punya ka saara lekha,
Unko baanch sunte ho.

Bhugatate ho pranin ko tum,
Lakh chaurasi ki pheri.
 Dharamraj Kar Siddh Kaaj..

Chitragupt hain lekhak tumhare,
Phurti se likhne wale.
Alag alag se sab jeevo ka,
Lekha jokha lene wale.

Paapi jan ko pakad bulaate,
Narako mein dhaane wale.
Bure kaam karne walon ko,
Khoob saza dene wale.

Koi nahi bach paata na,
Nyay neeti aisi teri.
 Dharamraj Kar Siddh Kaaj..

Doot bhayankar tere swami,
Bade bade dar jaate hain.
Paapi jan to jinhe dekhte hi,
Bhaya se tharraate hain.

Baandh gale mein rassi ve,
Paapi jan ko le jaate hain.
Chaabuk maar laate,
Zara rahm nahi man mein laate hain.

Narak kund bhugatate unko,
Nahi milti jisme seeri.
 Dharamraj Kar Siddh Kaaj..

Dharmi jan ko Dharamraj,
Tum khud hi lene aate ho.
Saadar le jaakar unko tum,
Swarg dham pahuchate ho.

Jo jan paap kapat se dar kar,
Teri bhakti karte hain.
Narak yaatana kabhi na karte,
Bhavsagar tarte hain.

Kapil (Dil) Mohan par kripa kariye,
Japta hoon teri mala.
 Dharamraj Kar Siddh Kaaj..

Dharmraj Kar Siddh Kaaj Dharmraj Ki Aarti Meaning in Hindi

धर्मराज, कृपया मेरा कार्य सिद्ध करें। प्रभु, मैं पूरी तरह से आपकी शरण में हूँ। मेरी नाव जीवन के भंवर में फंसी हुई है ; कृपया इसे बिना देरी के पार लगा दें।

आप धर्मलोक के स्वामी हैं और श्री यमराज कहलाते हैं। जो भी प्राणी अपने कर्म करते हैं, आप सब कुछ लिखते जाते हैं।

जीवन के अंत में, आप अपने दूतों को सभी आत्माओं को बुलाने के लिए भेजते हैं। वे पाप और पुण्य का पूरा लेखा पढ़कर सुनाते हैं।

आप सभी प्राणियों को उनके कर्मों का फल भुगताते हैं और उन्हें 84 लाख योनियों के चक्र में भेजते हैं।

चित्रगुप्त आपके लेखक हैं, जो सब कुछ तेजी से लिखते हैं। वे सभी जीवों के कर्मों का पूरा हिसाब रखते हैं।

आप पापियों को पकड़कर बुलाते हैं और उन्हें नरक में भेजते हैं। जो लोग बुरे काम करते हैं, उन्हें आप सख्त सजा देते हैं।

आपके न्याय से कोई भी बच नहीं सकता, क्योंकि आपकी न्याय प्रणाली बिल्कुल निष्पक्ष है।

आपके भयंकर दूत सबसे शक्तिशाली व्यक्तियों को भी डरा देते हैं। पापी तो उन्हें देखते ही भय से कांपने लगते हैं।

वे पापियों के गले में रस्सी बांधकर उन्हें खींचकर ले जाते हैं। वे उन्हें कोड़े मारते हैं और उनके मन में ज़रा भी दया नहीं होती।

पापियों को नरक कुंड में डाल दिया जाता है, जहां वे अनंतकाल तक कष्ट सहते हैं और कोई राहत नहीं मिलती।

धर्मी लोगों को लेने के लिए, हे धर्मराज, आप स्वयं आते हैं। आप उन्हें आदरपूर्वक स्वर्ग धाम पहुंचाते हैं।

जो लोग पाप और कपट से डरकर आपकी भक्ति करते हैं, वे कभी भी नरक की यातना नहीं सहते और संसार रूपी भवसागर को पार कर जाते हैं।

कपिल (दिल) मोहन पर कृपा करें, क्योंकि मैं आपकी माला जपता हूँ और पूरी भक्ति के साथ आपका ध्यान करता हूँ।

Dharmraj Kar Siddh Kaaj Dharmraj Ki Aarti Meaning in English

Dharamraj, please fulfill my tasks. Lord, I surrender to You completely. My boat is stuck in the whirlpool of life; please guide it to safety without delay.

You are the Lord of the realm of righteousness and are called Shri Yamraj. Whatever deeds living beings perform, You record everything.

At the end of life, You send Your messengers to call every soul. They read out the accounts of sins and virtues to the individuals.

You make all living beings face the consequences of their deeds, sending them through the cycle of 84 lakh life forms.

Chitragupta is Your scribe, writing everything swiftly. He keeps detailed accounts of the actions of all living beings.

You summon sinners and send them to hell. Those who commit bad deeds are punished severely by You.

No one escapes Your justice, as Your system of righteousness is flawless.

Your terrifying messengers instill fear even in the strongest of beings. Sinners tremble with terror at the mere sight of them.

They tie sinners with ropes around their necks and drag them away. They whip them mercilessly, showing no compassion.

Sinners are thrown into the pits of hell, where they suffer endlessly without respite.

For the virtuous, O Dharamraj, You Yourself come to receive them. You respectfully take them to the heavenly abode.

Those who fear sin and deceit and worship You with devotion are never subjected to the torments of hell and cross the ocean of worldly existence.

Show Your grace on Kapil (Dil) Mohan as I chant Your name and meditate on You with devotion.